भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1061

जिसका उत्तर दिनांक 26.07.2023 को दिया जाना है

परमाणु ऊर्जा हेतु बजटीय आवंटन

1061. श्री दिव्येन्दु अधिकारी :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि परमाणु ऊर्जा विभाग को 25,078.49 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं जो वर्ष 2022-23 के संशोधित अनुमानों की तुलना में 25,965.67 करोड़ रुपए से कम है;

(ख) क्या यह भी सच है कि भारत का एकमात्र परमाणु विद्युत संयंत्र प्रचालक एनपीसीआईएल अपने शेयर बेचकर आंतरिक और अतिरिक्त बजटीय संसाधनों के माध्यम से अतिरिक्त 12,863 करोड़ रुपए जुटाने जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार का वर्ष 2031 तक 15,700 मेगावाट की कुल संस्थापित क्षमता वाली 21 और परमाणु विद्युत उत्पादन इकाइयों को इसमें जोड़ने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क) जी, हां।

(ख) जी, नहीं। वर्ष 2023-24 में, एनपीसीआईएल ने मुख्य रूप से आंतरिक संसाधनों और ऋण के माध्यम से रुपए 12,863 करोड़ का आईईबीआर जुटाने का प्रस्ताव रखा है।

(ग) जी, हां। इन 21 रिएक्टरों में से, काकरापार, गुजरात में स्थित एक रिएक्टर, केएपीपी-3 (700 मेगावाट) का वाणिज्यिक प्रचालन आरम्भ हो गया है। एनपीसीआईएल विद्युत परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

स्थान और राज्य	परियोजना	क्षमता (मेगावाट)
निर्माण / कमीशनन के अधीन परियोजनाएं		
काकरापार, गुजरात	केएपीपी 3* व 4	2X700
रावत भाटा, राजस्थान	आरएपीपी 7 व 8	2X700
कुडनकुलम, तमिलनाडु	केकेएनपीपी 3 व 4	2X1000
	केकेएनपीपी 5 व 6	2X1000
कल्पाक्कम, तमिलनाडु	पीएफबीआर (भाविनि द्वारा कार्यान्वित)	1X500
हरियाणा	जीएचएवीपी 1 व 2	2X700
पूर्व-परियोजना गतिविधियां के अधीन परियोजनाएं		
कैगा, कर्नाटक	कैगा 5 व 6	2 X 700
गोरखपुर, हरियाणा	जीएचएवीपी 3 व 4	2 X 700
चुटका, मध्य प्रदेश	चुटका 1 व 2	2 X 700
माही बांसवाड़ा, राजस्थान	माही बांसवाड़ा 1 से 4	4 X 700

**केएपीपी-3 का वाणिज्यिक प्रचालन पहले ही आरम्भ हो चुका है।*

* * * * *